

प्रेषक,

सुरेश चन्द्रा,  
अपर मुख्य सचिव,  
उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

सचिव,  
30 प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड,  
लखनऊ।

श्रम अनुभाग-2

लखनऊ, दिनांक: 15 जुलाई, 2022

विषय: बोर्ड द्वारा संचालित " मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना तथा निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना" को एकीकृत एवं सरलीकृत करते हुए " निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना" को संचालित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-2297-98/भ0नि0बो0-(86-बी)-2022, दिनांक 01-07-2022 का संदर्भ लेने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से 30प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की 52 वीं बैठक दिनांक 28.04.2022 के एजेण्डा बिन्दु संख्या: 35.3 पर " बोर्ड द्वारा संचालित "कन्या विवाह सहायता योजना", मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना", " मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना" तथा "संत रविदास शिक्षा सहायता योजना" में हितलाभ स्वीकृति की प्रक्रिया तथा योजनाओं के आवेदन की प्रक्रिया जटिल होने के कारण इन योजनाओं को सरलीकृत कर पुनः ड्राफ्ट करने हेतु लिये गये निर्णय के अनुक्रम में बोर्ड द्वारा " मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना" तथा " निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना" को एकीकृत एवं सरलीकृत करते हुए, " निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना" के ड्राफ्ट पर बोर्ड की 54 वीं बैठक दिनांक 24.06.2022 में अनुमोदन प्रदान किये जाने से अवगत कराते हुए "निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना" पर अनापत्ति प्रदान करने एवं साथ ही बोर्ड द्वारा वर्तमान में संचालित " मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना तथा निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना" को नई " निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना" की अधिसूचना की तिथि से स्वतः समाप्त किये जाने पर भी शासन से अनापत्ति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- इस संबंध में "निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना" का निम्नवत ड्राफ्ट(प्रारूप) उपलब्ध कराया गया है:-

**उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड**

**1-योजना का नाम:** निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना(KMDSY)

**2-योजना का उद्देश्य-**

30प्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पंजीकृत निर्माण श्रमिक की मृत्यु अथवा दिव्यांगता की स्थिति में उसे अथवा उसके आश्रित को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया जाना है।

3-पात्रता-

- I. इस योजना के अंतर्गत दुर्घटना/बीमारी के फलस्वरूप दिव्यांगता की स्थिति में वे सभी श्रमिक पात्र होंगे, जो पंजीकृत एवं अद्यतन रूप से नवीनीकृत है।
- II. पंजीकृत निर्माण श्रमिक की मृत्यु होने की स्थिति में उसके आश्रित हितलाभ हेतु पात्र होंगे। आश्रित से तात्पर्य प्रथमतः सहायता राशि का भुगतान लाभार्थी श्रमिक के पति अथवा पत्नी(जैसी भी स्थिति हो) को, द्वितीयतः लाभार्थी श्रमिक के वयस्क पुत्र/अविवाहित वयस्क पुत्री एवं उनके अनुपलब्ध होने पर लाभार्थी श्रमिक पर आश्रित माता/पिता और अंततः लाभार्थी

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।

श्रमिक के अवयस्क पुत्रों अथवा पुत्रियों को किया जायेगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह है कि यह सहायता आत्महत्या जैसी स्थिति में अनुमन्य नहीं होगी।

- III. हत्या, सर्पदंश, बिजली गिरने, प्रसव के कारण होने वाली मृत्यु एवं अन्य दैवीय आपदा की स्थिति में हुयी मृत्यु को सामान्य मृत्यु मानते हुए तदनुसार हितलाभ अनुमन्य होगा।
- IV. निर्माण श्रमिक की मृत्यु की स्थिति में आश्रित द्वारा आवेदन करने पर आश्रित का आधार प्रमाणीकरण आवश्यक होगा।

#### 4-आवेदन की प्रक्रिया-

निर्माण श्रमिक की दिव्यांगता/मृत्यु की स्थिति में निर्माण श्रमिक/आश्रित द्वारा दिव्यांगता/मृत्यु की तिथि से एक वर्ष के भीतर आवेदन पत्र समस्त आवश्यक अभिलेख सहित जनसेवा केन्द्र/बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in के माध्यम से किया जाना होगा।

**आवेदन पत्र के साथ निम्न अभिलेख संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा-**

- I. ऑनलाइन जारी मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति।
- II. आवेदक के आधार लिंक बैंक खाते के पासबुक की छायाप्रति।
- III. आवेदक के आधार कार्ड की छायाप्रति।
- IV. प्राथमिक सूचना रिपोर्ट/पंचनामा तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट(पंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु तथा अपंजीकृत श्रमिक की कार्यस्थल पर हुयी दुर्घटना में मृत्यु की दशा में)।
- V. दिव्यांगता की स्थिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र एवं प्रथम सूचना रिपोर्ट/चिकित्सीय प्रमाण पत्र।
- VI. पंजीकृत श्रमिक/आवेदक द्वारा राज्य अथवा केन्द्र सरकार के अधीन संचालित समान प्रकार की योजना में हितलाभ प्राप्त न होने का स्वघोषणा पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

#### 5-देय हितलाभ का विवरण-

इस योजना के अंतर्गत निर्माण श्रमिक की मृत्यु/दिव्यांगता की दशा में देय हितलाभ का विवरण निम्नानुसार है:

मृत्यु/दिव्यांगता की स्थिति में	कुल देय धनराशि	प्रतिमाह देय धनराशि
1	2	3
पंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में	रु0 5,00,000(रुपये पांच लाख) एवं रु0 25,000/-(अन्त्येष्टि व्यय) कुल रु0 5,25,000(पांच लाख पच्चीस हजार मात्र)।(रु0 05 लाख 05 वर्ष तक मासिक किस्त के रूप में तथा 25,0000/-(एकमुश्त)	रु0 प्रतिमाह लगभग रु0 9,395/- (वर्तमान प्रचलित सावधि ब्याज दर के अनुसार, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है।)
पंजीकृत श्रमिक की सामान्य मृत्यु की स्थिति में	रु0 2,00,000(रुपये दो लाख) एवं रु0 25,000/-(अन्त्येष्टि व्यय) कुल रु0 2,25,000(दो लाख पच्चीस हजार मात्र)।(रु0 02 लाख 02 वर्ष तक मासिक किस्त के रूप में तथा 25,0000/-(एकमुश्त)	रु0 प्रतिमाह लगभग रु0 8,736/- (वर्तमान प्रचलित सावधि ब्याज दर के अनुसार, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है।)
अपंजीकृत श्रमिक की कार्यस्थल पर हुयी दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में।	रु0 1,00,000/-(रु0 एक लाख मात्र)।(एकमुश्त)	-----
पूर्ण(100 प्रतिशत) स्थायी	रु0 4,00,000/-(चार लाख	प्रतिमाह लगभग रु0 9,172/-

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।

दिव्यांगता की स्थिति में।	मात्र)।(रु0 04 लाख 04 वर्ष तक मासिक किस्त के रूप में)	(वर्तमान प्रचलित सावधि ब्याज दर के अनुसार, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है।)
स्थायी दिव्यांगता 50 प्रतिशत से अधिक एवं 100 प्रतिशत से कम होने पर	रु0 3,00,000/- (तीन लाख मात्र)।(रु0 03 लाख 03 वर्ष तक मासिक किस्त के रूप में)	प्रतिमाह लगभग रु0 8,953/- (वर्तमान प्रचलित सावधि ब्याज दर के अनुसार, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है।)
स्थायी दिव्यांगता 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत से कम होने पर	रु0 2,00,000/- (दो लाख मात्र)।(रु0 02 लाख 02 वर्ष तक मासिक किस्त के रूप में)	प्रतिमाह लगभग रु0 8,736/- (वर्तमान प्रचलित सावधि ब्याज दर के अनुसार, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है।)

#### **देय हितलाभ के भुगतान की प्रक्रिया-**

- I. पंजीकृत निर्माण श्रमिक की दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में अन्त्येष्टि व्यय रु0 25,000/- तथा हितलाभ रु0 05 लाख की स्वीकृति की जायेगी। अन्त्येष्टि व्यय रु0 25,000/- का भुगतान आवेदक को एकमुश्त किया जायेगा तथा धनराशि रु0 05 लाख पर प्रचलित सावधि ब्याज दर के आधार पर आंगणित ब्याज एवं मूलधन सहित मासिक किश्त निर्धारित की जायेगी, जो 05 वर्ष (60 माह) तक आवेदक के खाते में प्रतिमाह स्वतः स्थानांतरित की जाएगी, जो कि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है। उक्त की स्वीकृति संबंधित जिलों के जिला अधिकारी द्वारा की जायेगी।
- II. पंजीकृत निर्माण श्रमिक की सामान्य मृत्यु की स्थिति में अन्त्येष्टि व्यय रु0 25,000/- तथा हितलाभ रु0 02 लाख की स्वीकृति की जायेगी। अन्त्येष्टि व्यय रु0 25,000/- का भुगतान आवेदक को एकमुश्त किया जायेगा तथा धनराशि रु0 02 लाख पर प्रचलित सावधि ब्याज दर के आधार पर आगणित ब्याज एवं मूलधन सहित मासिक किश्त निर्धारित की जायेगी, जो 02 वर्ष (24 माह) तक आवेदक के खाते में प्रतिमाह स्वतः स्थानांतरित की जाएगी, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है। उक्त की स्वीकृति संबंधित अपर/उप श्रमायुक्त द्वारा की जायेगी।
- III. अपंजीकृत निर्माण श्रमिक की कार्यस्थल पर हुयी दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में रु0 01 लाख की स्वीकृति की जायेगी, जिसे एकमुश्त आवेदक को प्रदान किया जायेगा, उक्त की स्वीकृति संबंधित जिलों के जिला अधिकारी द्वारा की जायेगी।
- IV. पंजीकृत निर्माण श्रमिक की दुर्घटना /बीमारी के फलस्वरूप हुई पूर्ण (100 प्रतिशत) स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में हितलाभ रु0 04 लाख की स्वीकृति की जायेगी तथा धनराशि रु0 04 लाख पर प्रचलित सावधि ब्याज दर के आधार पर आंगणित ब्याज एवं मूलधन सहित मासिक किश्त निर्धारित की जायेगी, जो 04 वर्ष (48 माह) तक आवेदक के खाते में प्रतिमाह स्वतः स्थानांतरित की जाएगी, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है। उक्त की स्वीकृति संबंधित अपर/उप श्रमायुक्त द्वारा की जायेगी।
- V. पंजीकृत निर्माण श्रमिक की दुर्घटना/बीमारी के फलस्वरूप हुई (50 प्रतिशत से अधिक एवं 100 प्रतिशत से कम) स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में हितलाभ रु0 03 लाख की स्वीकृति की जायेगी तथा धनराशि रु0 03 लाख पर प्रचलित सावधि ब्याज दर के आधार पर आंगणित ब्याज एवं मूलधन सहित मासिक किश्त निर्धारित की जायेगी, जो 03 वर्ष (36 माह) तक आवेदक के खाते में प्रतिमाह स्वतः स्थानांतरित की जाएगी, जोकि ब्याज दर के अनुसार घट-बढ़ सकती है। उक्त की स्वीकृति संबंधित अपर/उप श्रमायुक्त द्वारा की जायेगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।

- VI. अपंजीकृत निर्माण श्रमिक की कार्य स्थल पर हुयी दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में रू0 01 लाख के देय हितलाभ को छोड़कर समस्त हितलाभ उपर्युक्त तालिका के क्रमांक-2 पर वर्णित अवधि हेतु ही मासिक किस्त के रूप में दिये जायेंगे, परन्तु किसी विशेष परिस्थिति जैसे पुत्री के विवाह, गम्भीर बीमारी एवं बच्चों की उच्च शिक्षा की स्थिति में एक वर्ष की अवधि के उपरान्त क्षेत्रीय अधिकारी की अनुशंसा पर सचिव, बोर्ड की स्वीकृति द्वारा अवशेष धनराशि एकमुश्त आवेदक द्वारा निकाली जा सकती है।
- VII. उक्त योजना के अंतर्गत देय हितलाभ कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 अथवा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत नियमानुसार अनुमन्य क्षतिपूर्ति/हितलाभ के अतिरिक्त होगा।
- VIII. पंजीकृत श्रमिक/आवेदक द्वारा राज्य अथवा केन्द्र सरकार के अधीन संचालित समान प्रकार की योजना में हितलाभ प्राप्त होने की स्थिति में उक्त योजना का हितलाभ देय नहीं होगा।

#### **6-आवेदन पत्र के निस्तारण की प्रक्रिया-**

निर्माण श्रमिक की मृत्यु/दिव्यांगता की स्थिति में आवेदन पत्र के निस्तारण की प्रक्रिया निम्नवत होगी-

- I. श्रमिक की दिव्यांगता/मृत्यु होने पर श्रमिक/आश्रित द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र जाँच अधिकारी द्वारा 15 दिन के भीतर हितलाभ के संबंध में स्वीकृति/अस्वीकृति की अनुशंसा की जायेगी। अस्वीकृति की अनुशंसा की स्थिति में सूक्ष्म रूप में कारण उल्लिखित किया जाना अनिवार्य होगा।
- II. पंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में एवं अपंजीकृत श्रमिक की कार्यस्थल पर हुयी दुर्घटना के फलस्वरूप मृत्यु की स्थिति में हितलाभ प्राप्ति हेतु प्राप्त आवेदनों को जाँच अधिकारी की अनुशंसा के 15 दिन के भीतर अपर/उप/सहायक श्रमायुक्त द्वारा अपने स्तर से परीक्षण कर स्वीकृति हेतु स्वीकर्ता अधिकारी संबंधित जिलाधिकारी को आवेदन ऑनलाइन अग्रसारित किया जायेगा।
- III. स्वीकर्ता अधिकारी/जिलाधिकारी आवश्यक होने पर संयुक्त टीम गठित कर जाँच करा सकते हैं।
- IV. आवेदन के अग्रसारण के 15 दिन के भीतर स्वीकृत अधिकारी जिलाधिकारी द्वारा आवेदन पर स्वीकृति के संबंध में कार्यवाही किया जाना होगा।
- V. स्वीकृति के 15 दिन के भीतर श्रमिक द्वारा पंजीकरण विवरण में उल्लिखित बैंक खाते/आधार बेस्ड पेमेण्ट के माध्यम से आर्थिक सहायता अंतरित की जायेगी। यह समस्त कार्यवाहियाँ ऑनलाइन वेबसाइट/पोर्टल पर भी तदिनांक ही सम्पादित की जायेगी। उक्त समय-सीमा जनहित गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत समय-समय पर निर्धारित किये जाने वाले संशोधन के अधीन होगी।

#### **7-कठिनाइयों का निवारण-**

योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों के निवारण हेतु उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के सचिव सक्षम होंगे और इस संबंध में कोई दिशा निर्देश आदेश इत्यादि निर्गत कर सकेंगे।

3- उक्तानुसार प्रस्ताव पर 30प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा अनुमोदन दे दिया गया है। अतः उक्त विवरणानुसार प्रस्ताव पर इस शत के साथ अनापत्ति प्रदान की जाती है कि प्रश्नगत योजना के संचालन में बोर्ड द्वारा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार(नियोजन एवं सेवाशर्त विनियमन) अधिनियम 1996 एवं संगत नियमावली 2009 का अनुपालन पात्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों के हित में सुनिश्चित किया जायेगा और इस हेतु वर्तमान तथा भविष्य में शासन स्तर से कोई वित्तीय/आर्थिक सहायता प्रदान नहीं की जायेगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।

4- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया प्रश्नगत योजना के क्रियान्वयन के संबंध में उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

सुरेश चन्द्रा

अपर मुख्य सचिव

संख्या-21/2022/2155935(1)/2022/श्रम-2,तददिनांक.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1-श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश, कानपुर।

2-गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

चिरौंजी लाल

उप सचिव

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।